लिखित असाइनमेंट कॉपी

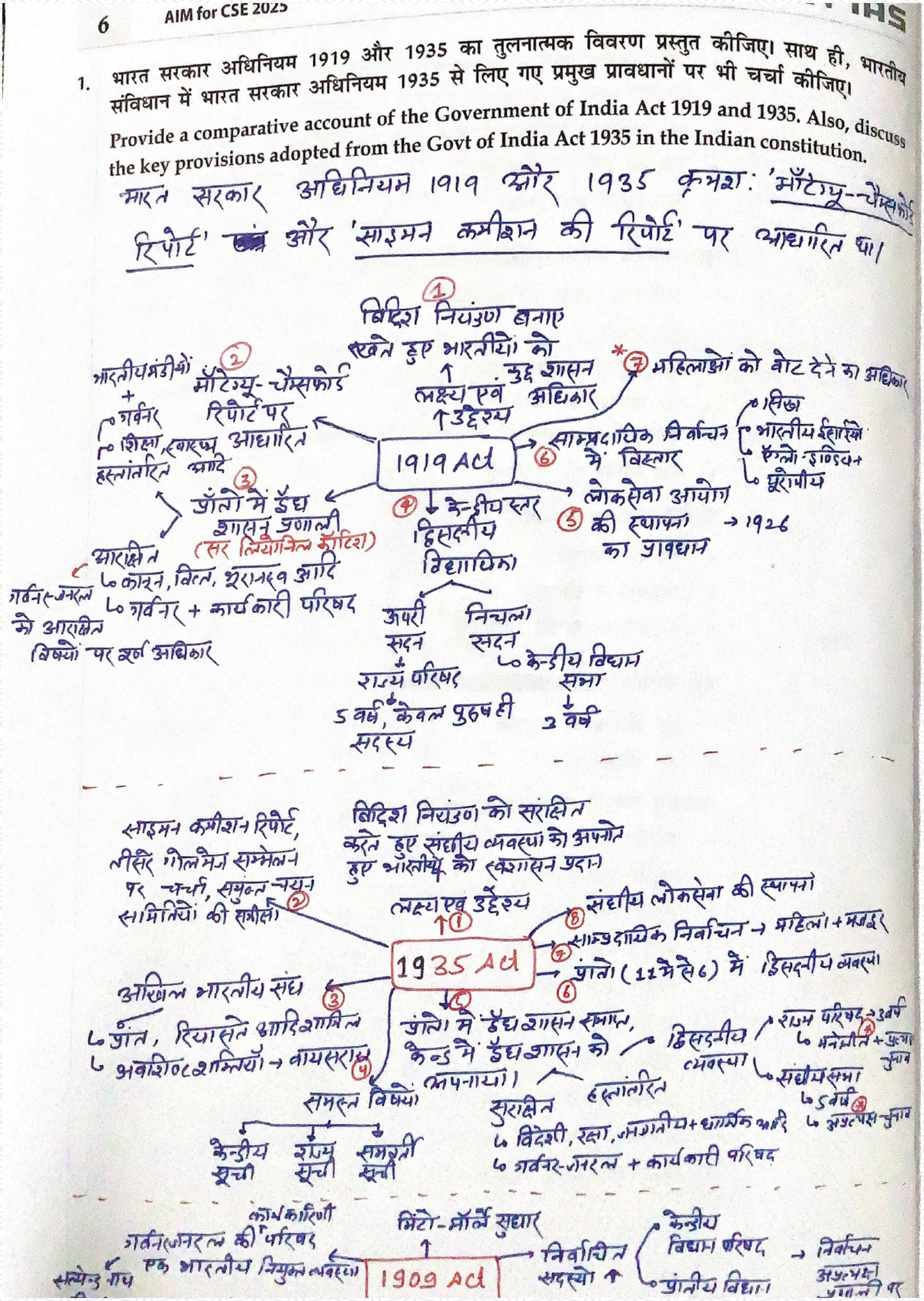

1. भारत सरकार अधिनियम 1919 और 1935 का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिए। साथ ही, भारतीय संविधान में भारत सरकार अधिनियम 1935 से लिए गए प्रमुख प्रावधानों पर भी चर्चा कीजिए।

Provide a comparative account of the Government of India Act 1919 and 1935. Also, discuss the key provisions adopted from the Govt of India Act 1935 in the Indian constitution.

भारत सरकार अधिनियम 1919 और 1935 क्रमश: 'मॉंटेग्यू-चेम्सफोर्ड रिपोर्ट' और 'साइमन कमीशन की रिपोर्ट' पर आधारित था।

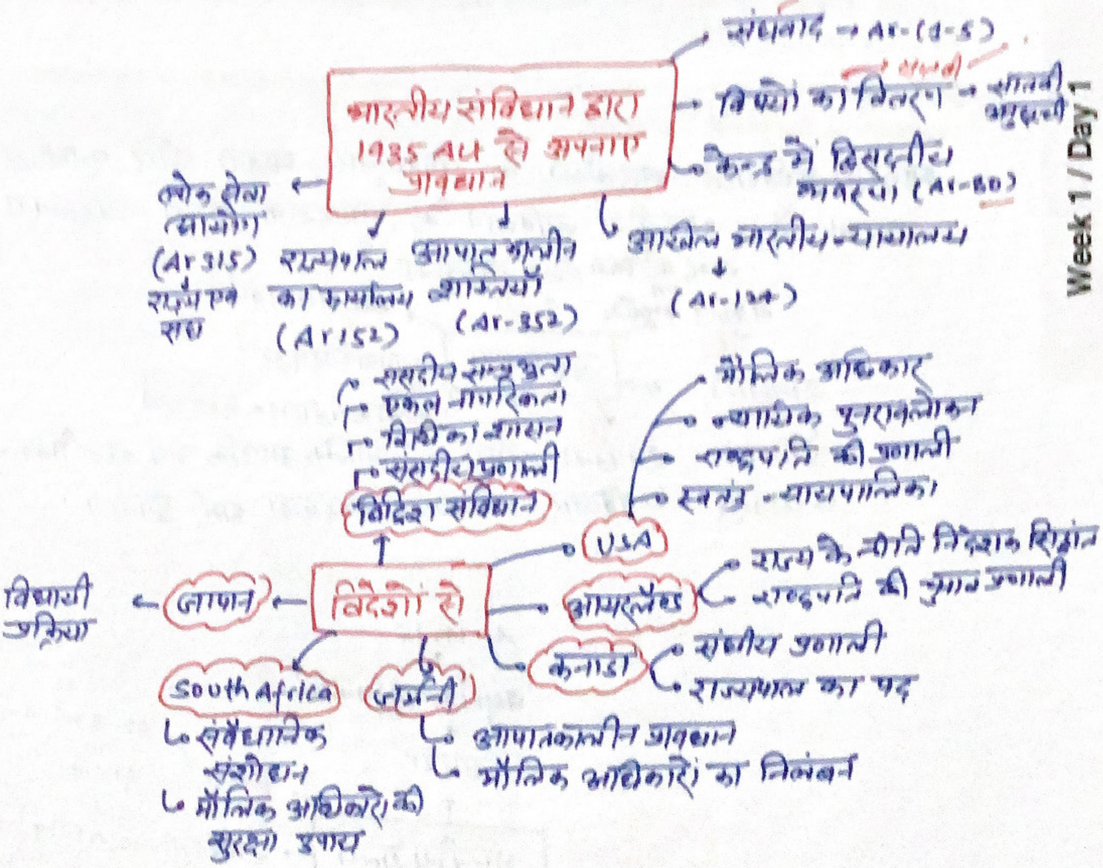
भारतीय संविधान द्वारा 1935 Act से अपनाए प्रावधान
संघवाद → Ar-(1-5)
विषयों का विभाजन → सातवीं अनुसूची
केन्द्र में द्विसदनीय व्यवस्था (Ar-80)
अखिल भारतीय न्यायालय
(Ar-124)
लोक सेवा आयोग (Ar 315) राज्य एवं संघ
राज्यपाल का कार्यालय (Ar 152)
आपातकालीन शक्तियाँ (Ar-352)
संसदीय सम्प्रभुता
एकल नागरिकता
विधि का शासन
संसदीय प्रणाली
ब्रिटिश संविधान
विदेशों से
USA
मौलिक अधिकार
न्यायिक पुनरावलोकन
राष्ट्रपति की प्रणाली
स्वतंत्र न्यायपालिका
आयरलैंड
राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत
राष्ट्रपति की चुनाव प्रणाली
कनाडा
संघीय प्रणाली
राज्यपाल का पद
जापान
विधायी प्रक्रिया
South Africa
संवैधानिक संशोधन
मौलिक अधिकारों की सुरक्षा उपाय
जर्मनी
आपातकालीन प्रावधान
मौलिक अधिकारों का निलंबन

Next IAS ID: AIM25H01005, POLITY W3 D1(H), 30-07-2024 07:26 PM

4. बढ़ती न्यायिक लंबितता के कारणों पर प्रकाश डालिए। इससे निपटने के उपायों पर चर्चा कीजिए।
Highlight the reasons for the increasing judicial pendency. Discuss the measures to deal with it.

"न्याय में देरी न्याय से वंचित करना है"

"न्याय सिर्फ होना ही नहीं चाहिए बल्कि दिखना भी चाहिए"

Theory of Justice
- "न्याय सामाजिक संस्थाओं का प्रथम एवं प्रधान सद्गुण है"
- "सभी सामाजिक संस्थाएँ न्याय के आधार पर ही अपनी औचित्यपूर्णता सिद्ध कर सकती हैं।"

कारण
- न्यायिक अवसंरचना
  - केवल 32% अदालतों के पास अलग से रिकॉर्ड रूम
  - 73% अदालतों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का अभाव
- निम्न बजटीय आवंटन
  - 0.8-0.9% of GDP
- न्यायाधीशों की कमी
  - प्रति 10 लाख पर केवल 21 जज (विधि आ० → प्रति 10 लाख पर min^m 50 जज हों)
- न्यायाधीशों
  - कौशल ↓
  - तकनीकी ↓
  - कार्यकुशलता एवं उत्पादकता ↓
  - निम्न निपटान दर ↓
- अप्रभावी अधिकरण एवं विशेष अदालतें
- जनहित याचिका एवं अनु० 136 का दुरुपयोग
- सरकार एक प्रमुख पक्षकार
- आपराधिक न्यायप्रणाली की कमियाँ एवं जटिलता (CJS)

	LC	HC	SC
NJDG July 2024	4.45 Cr	59.95 L	82K

- NJDG → 87.6% मामले अधीनस्थ + 12.3 उच्च
- 2010 से 2020 → लंबित मामलों की संख्या में 2.8% की वृद्धि दर
- 50% ↑ मामलों में पक्षकार सरकार
- उच्च न्यायालयों के कुल स्वीकृत (25 HC) पदों (1114) 31% रिक्त एवं जिला न्यायालयों के 21% सीट खाली (SCC 2023)
- सभी HCs में केवल 13% महिला जज
- LC से ज्यादा मामले 30 वर्षों से लंबित

कारण
- विधिक शिक्षा एवं विधि विश्वविद्यालय ↓
- नागरिकताबोध ↓
- अधिकारों के प्रति जागरूकता ↓
- असहनीयता एवं सर्वसुलभ पहुँच ↓
- केस प्रबंधन ↓ (तकनीक का उपयोग ↓)

Next IAS ID: AIM25H01005, POLITY W3 D1(H), 30-07-2024 07:26 PM

प्रभाव
- इज ऑफ डूइंग बिजनेस ↓
- विधि का शासन ↓
- न्यायपालिका पर भार ↑
- न्याय व्यवस्था पर विश्वास ↓
- जीव० एवं विधिक अधिकारों ↓ → पीड़ितों, गवाहों के साथ अन्याय (उदा. अंडरट्रायल कैदी)
- वित्तीय बोझ ↑

सुझाव
- 1) भारतीय रा० न्यायिक अवसंरचना प्राधिकरण
  - CJI द्वारा गठन का प्रस्ताव
  - अधीनस्थ न्यायालयों के बजट एवं अवसंरचना ↑
- AIJS (राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, जीवन शेट्टी समिति, अखिल भारतीय न्यायाधीश संघ वाद, 1992 SC द्वारा गठन हो)
- कुशल एवं प्रभावी न्यायिक अवसंरचना
  - अनु० 39(A) (नालसा)
  - HCs का विकेंद्रीकरण ↑ (उदा. UP में अधिक पीठ हों)
- राष्ट्रीय अपील न्यायालय स्थापित
  - स्वयं SC द्वारा 1986 एवं विधि आयोग द्वारा
  - SC के कार्यभार ↓
  - SC के 4 क्षेत्रीय पीठों के गठन का प्रस्ताव (अनु० 130) (18th LC एवं वेंकैया नायडू)
- Tech & AI in Judiciary
  - e-court, Tele law
  - SUPACE, SUVAS (क्षेत्रीय भाषा में अनुवाद)
- विवाद समाधान तंत्र
  - ऑनलाइन विवाद समाधान तंत्र, लोक अदालत, मध्यस्थता केंद्र, मोबाईल कोर्ट, न्यायमित्र (Para)
- कानूनी
  - स्पष्ट एवं सुपरिभाषित
  - उदा. BNS, BNSS, SA
- राष्ट्रीय मुकदमा नीति द्वारा मुकदमें ↓
- विधिक शिक्षा प्रणाली एवं जागरूकता ↑
- ग्राम न्यायालयों ↑
- अनु० 136 की युक्तियुक्तता ↑
- CJS सुधार → CCTNS
- सुशासन एवं नैतिक अभिशासन → स्मार्ट gov. ↑

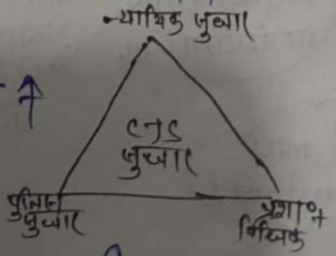

2. 42वें संविधान संशोधन अधिनियम को लघु संविधान क्यों कहा जाता है? इसके द्वारा लाए गए प्र परिवर्तनों और राजनीतिक प्रक्रियाओं पर इसके प्रभाव की चर्चा करें।

Why the 42nd Constitution amendment act also known as a mini constitution? Discuss major changes brought by it and its impact on political processes.

42 वाँ सं०सं० अभी तक का सबसे ~~विवादास्पद और~~ विस्तृत संशोधन है और इसने संविधान में पहले से मौजूद प्रमुख मॉडल को चुनौती दी।

लघु संविधान – इसलिए कहा जाता है क्योंकि इस संशोधन मे मूल ढाँचे को बदलने का प्रयास करता है तथा व्यापक परिवर्तन किये गये जैसे –

- केशवानन्द भारती केस – S.C. के निर्णय को बदलने की कोशिश
- लोक सभा का कार्यकाल – 5 से 6 साल बढ़ा दिया गया
- न्यायिक समीक्षा की शक्ति को सीमित कर दिया
- उद्देशिका, 7 वीं अनुसूची और अनु० 53 भी बदल दिये गये।

लाये गये परिवर्तन

- **उद्देशिका** → समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष अखण्डता शब्द
- 7वीं अनुसूची में परिवर्तन → 5 विषय – शिक्षा, वन बाट और माप, जंगली जानवरों का संरक्षण और न्याय प्रशासन को राज्य सूची से समवर्ती सूची में ले (जाया ...)
- भाग IV A 51 A जोड़ा गया

संसद में परिवर्तन

- राष्ट्रपति को मंत्रिमण्डल की सलाह के प्रति उत्तरदायी बना दिया।
- अनु० 257(A) कानून व्यवस्था के विवादों से निपटने के लिए राज्य में केन्द्रीय बलों की तैनाती।
- अनु० 329(A) लोक सभा अध्यक्ष और PM को विवेकाधीन शक्तियाँ दी।
- DPSP को FR पर वरीयता दी गयी। कोई भी कानून इस विषय को J.R. से बाहर रखा गया।
- उच्च न्यायालय और S.C. के न्यायिक शक्तियों में परिवर्तन
  ↳ J.R. और रिट क्षेत्राधिकार कम कर दिया।
- Art 323 A, 323 B भाग XIV A में जोड़ा गया
  ↳ प्रशासनिक मामलों के न्यायाधिकरण — अन्य के न्यायाधिकरण
- DPSP में जोड़ा गया
  - 39 — बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए अवसर
  - 39 A — निष्पक्ष न्याय, कानूनी सहायता
  - 43 A — उद्योगों के प्रबन्धन में श्रमिक शामिल हो
  - 48 A — वन तथा वनजीवों की सुरक्षा पर्यावरण सुरक्षा

राजनीतिक प्रक्रियाओं पर प्रभाव

- न्यायालयों को चुनावी विवाद से अलग कर दिया गया — PM और उसके उत्तराधिकारी द्वारा लड़े जाने वाले चुनावों की सुरक्षा, राष्ट्रपति, V. Pres
- PM सहित 3 अधिकारी को दीवानी या आपराधिक मामले से प्रतिरक्षा बाद में हटा दिया गया
- केन्द्र को अधिक शक्तियाँ इससे संघवाद ...

Next IAS ID: AIM25H01005, GEO. & DM W1D1(H), 13-08-2024 02:32 AM

1. पृथ्वी के आंतरिक संरचना पर चर्चा कीजिए। पृथ्वी के आंतरिक भागों में निर्मित विभिन्न अन्तर्वेधी भू-आकृतियों पर भी प्रकाश डालिए।

Discuss the structure of Earth's interior. Also highlight various intrusive landforms formed inside earth.

पृथ्वी के आंतरिक भाग को उसकी संरचना, भौतिक-रासायनिक गुणों और गतिशील विशेषताओं के अनुसार वर्गीकृत किया गया है।

[स्थलमंडल = क्रस्ट + ऊपरी मेंटल का ऊपरी परत]

[दुर्बलता मंडल = ऊपरी मेंटल का निचली परत]

[मध्यमंडल = निचली मेंटल]

[केंद्रमंडल = कोर]

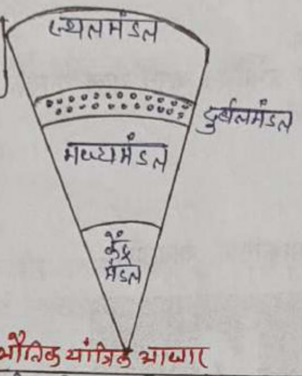

Fig. भौतिक यांत्रिक आधार

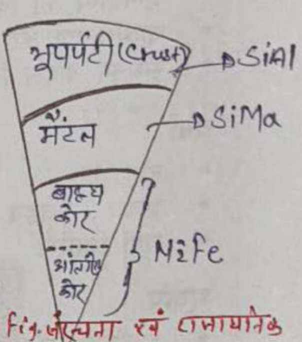

Fig. संरचना एवं रासायनिक

1) क्रस्ट (Crust)
- पृथ्वी की सबसे ऊपरी एवं पतली परत
- औसत मोटाई (33km)
- महासागरीय क्रस्ट (बसाल्ट) ↓ एवं महाद्वीपीय क्रस्ट (ग्रेनाइट) ↑

2) मेंटल (Mantle)
- मोहो असंबद्धता से 2900km
- पृथ्वी के समस्त आयतन का सर्वाधिक (83%) एवं द्रव्यमान का 68% भाग मेंटल में विद्यमान।
- औसत घनत्व -: 3.5 - 5.5 gm/cm³

3) कोर (core)
- विस्तार -: 2900km से पृथ्वी के केंद्र तक)
- तापमान -: लगभग 2700°C
- घनत्व -: 9.5 - 14.5 gm/cm³

* पृथ्वी की आंतरिक संरचना के अध्ययन के स्रोत

- (घनत्व पर आधारित) — ▽ ↓ ρ↑
- (~~सम्भाविक~~ तापमान पर) — ▽ ↓ T↑ (2-3°C/100m)
- (दाब पर)
- [भूकम्पशास्त्र पर]
  - P, S, L तरंग
  - तरंग की गति ∝ पदार्थ का घनत्व

---

* अंतर्वेधी भू-आकृतियाँ आभ्यांतरिक ज्वालामुखी क्रिया द्वारा मैग्मा के ठंडा होने से निर्मित होती है।

[अंतर्वेधी भू-आकृतियाँ] —OR→ [आंतरिक आग्नेय शैल]

अनुस्तरी (concordant)

1) शीट एवं सिल –: दोनों क्षैतिज परत हैं
   शीट पतली परत एवं सिल मोटी परत
2) लैपोलिथ –: उल्टा गुंबदरूपी संरचना (द० अमे०)
   एवं
   फैकोलिथ (मोड़ पर) –: गुंबदरूपी संरचना (उ० अमे० प० भाग में)

अननुस्तरी (discordant)

→ डाइक –: आग्नेय चट्टान की ऊर्ध्वाधर स्तंभ के समान संरचना

→ बैथोलिथ (अत्यधिक गहराई में) –: गुंबद रूपी संरचना मूलतः ग्रेनाइट से निर्मित

Next IAS ID: AIM25K01006, GEO. & DM W1D3(H), 22-08-2024 03:36 PM

Nias/Plo4

4. ज्वार-भाटा बनने के कारणों को समझाइये। ज्वार के आर्थिक महत्व को भी सूचीबद्ध करें।
Explain the causes of formation of Tides. Also enlist the economic significance of Tides.

सूर्य, चन्द्रमा तथा पृथ्वी के संयुक्त बलों के अर्थात महासागरीय जल के ऊपर उठने और गिरने को क्रमशः ज्वार व भाटा कहते हैं।

ज्वार-भाटा बनने के कारण —

* चन्द्रमा का गुरुत्वाकर्षण खिंचाव
* सूर्य का गुरुत्वाकर्षण खिंचाव
* अपकेंद्रीय बल
* गुरुत्वाकर्षण बल तथा अपकेंद्रीय बल दोनों मिलकर पृथ्वी पर ज्वारभाटा उत्पन्न करते।

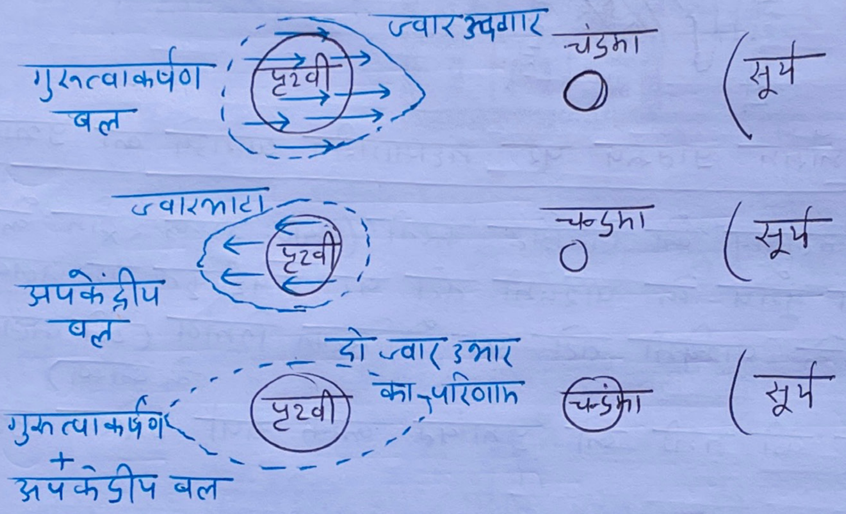

□ ज्वार के प्रकार → ज्वार अपनी आवृत्ति, दिशा और गति में एक स्थान से दूसरे स्थान पर और समय समय पर भिन्न होती हैं।

(A) आवृत्ति के आधार पर ज्वार →
- अर्द्ध दैनिक ज्वार
- दैनिक ज्वार
- मिश्रित ज्वार

Next IAS ID: AIM25K01006, GEO. & DM W1D3(H), 22-08-2024 03:36 PM

(B) सूर्य, चन्द्रमा और पृथ्वी की स्थिति पर आधारित ज्वारभाटा

(1) **बृहत ज्वार** - जब सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी एक सीधी रेखा में होंगे।

* महीने में दो बार आते
  - पूर्णिमा पर
  - अमावस्या पर

(2) **लघु ज्वार** → इस समय सूर्य और चन्द्रमा एक दूसरे के समकोण पर होते हैं तथा सूर्य एवं चन्द्रमा के गुरुत्व बल एक दूसरे के विरुद्ध कार्य करते।

ज्वार भाटा का आर्थिक महत्त्व →

- **समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र** →
  * मत्स्य पालन
  * उच्च ज्वार के कारण मछलियाँ किनारे पर पहुँचती।
- **नौसंचालन और व्यापार** → उच्च ज्वार से जहाजों का बंदरगाह तक आसान प्रवेश
  * eg. बंगाल खाड़ी खंभात खाड़ी
- **ऊर्जा उत्पादन & मनोरंजन** → गैर-पारंपरिक स्त्रोतो eg; कच्छ की खाड़ी के किनारे विद्युत उत्पादन।
- **कृषि & जलीय कृषि** → eg. सीप की खेती
- **अनुसंधान & संरक्षण** → जैव विविधता संरक्षण & वैज्ञानिक अनुसंधान में मदद

ज्वार पृथ्वी के महासागरों पर चन्द्रमा और सूर्य द्वारा लगाए गए गुरुत्वाकर्षण बल के कारण मुख्यत: उत्पन्न होते हैं। समुद्री वाणिज्य, टिकाऊ ऊर्जा उत्पादन, पर्यटन कृषि, वैज्ञानिक अंवेषण जैसे विविध क्षेत्रों में ज्वार महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

Next IAS ID: AIM25H01025, ECONOMY W1D1(H), 03-09-2024 01:48 AM

4. आर्थिक संवृद्धि और आर्थिक विकास के बीच अंतर बताइये। विकास के विभिन्न आयामों और उन्हें कैसे मापा जाता है, इस पर चर्चा कीजिए।

Differentiate between economic growth and economic development. Discuss the various dimensions of development and how they are measured.

नोबेल पुरस्कार अमर्त्य सेन के अनुसार "समग्र विकास में निवेश के बिना आर्थिक संवृद्धि गैर धारणीय और अनैतिक है।" संवृद्धि एक राष्ट्र के उत्पादन को बढ़ाने पर केन्द्रित होता है, जबकि विकास में अधिक समग्र दृष्टिकोण शामिल होता है, जिसमें मानव कल्याण, सामाजिक समानता और धारणीयता में सुधार शामिल है।

आर्थिक संवृद्धि

- अल्पकालिक में मध्यम अवधि, तात्कालिक आर्थिक परिणामों पर केन्द्रित।
- वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन में वृद्धि दर्शाता है
- उत्पादन तथा आय के स्तरों को बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित
- GDP, GNP, PCI जैसे मात्रात्मक संकेतकों द्वारा मापन
- आय में वृद्धि संभव लेकिन आवश्यक नहीं जीवन की गुणवत्ता में सुधार भी हो
- यह संकीर्ण है केवल आर्थिक निष्पादन व आय सृजन पर केन्द्रित

NEXT IAS Next IAS ID: AIM25H01025, ECONOMY W1D1(H), 03-09-2024 01:48 AM

आर्थिक विकास

- उद्देश्य - समग्र कल्याण को बढ़ाना व सतत विकास सुनिश्चित करना।
- दीर्घकालिक, जीवन स्तर, समग्र कल्याण में संधारणीय सुधारों पर केंद्रित
- व्यापक प्रक्रिया, शामिल हैं -
  - जीवन स्तर
  - गरीबी में कमी
  - जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि
- सामा., आर्थिक व पर्यावरणीय कारकों की एक विस्तृत शृंखला शामिल (समाज के समग्र कल्याण में योगदान)
- विकास अपेक्षाकृत व्यापक (आर्थिक विस्तार, सामा. समानता, पर्यावरणीय संधारणीयता व राजनीतिक स्थिरता शामिल)
- मात्रात्मक व गुणात्मक दोनों संकेतकों द्वारा मापन (HDI, MPI ...)

आयाम	मुख्य पहलू	माप संकेतक
आर्थिक	आय में वृद्धि, रोजगार सृजन, औद्योगीकरण	GDP व संवृद्धि दर, रोजगार दर, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक
सामाजिक	• शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सामा. समानता व न्याय	HDI, जीवन प्रत्याशा, गिनी गुणांक (आय असमानता मापन)
मानव विकास	i) समग्र कल्याण ii) सुविधाओं तक पहुँच सभी के लिए आवश्यक सेवाओं तक पहुँच	बहुआयामी निर्धनता सूचकांक
सतत विकास आयाम	• दीर्घकालिक संधारणीयता • पर्यावरण संरक्षण	• SDG's • पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक (EPI
राजनीतिक	• शासन व्यवस्था • संस्थागत स्थायित्व	• विश्व शासन संकेतक • विधि का शासन सूचकांक

Next IAS ID: AIM25K01006, ETHICS W2D2 (H), 15-10-2024 02:57 PM

1. भावनात्मक रूप से बुद्धिमान व्यक्ति की क्या विशेषताएँ हैं? उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।
What are the attributes of an emotionally intelligent person? Discuss with examples

मेयर के अनुसार," भावनात्मक बुद्धिमत्ता भावनाओं को महसूस करने, विचारों को प्रेरित करने हेतु भावनाओं का सृजन और आकलन करने, भावनाओं एवं भावनात्मक ज्ञान को समझने तथा भावनात्मक & बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने हेतु भावनाओं को प्रबंधित करने की क्षमता है।

गोलमैन के अनुसार, भावनात्मक बुद्धिमत्ता को पाँच विशेषताओं द्वारा वर्गीकृत किया जाता है -

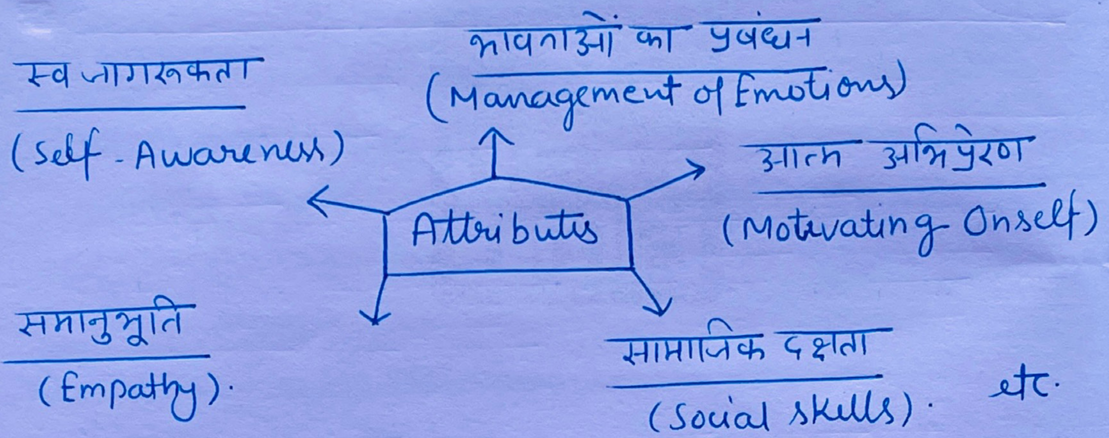

ये विशेषताएँ भावनात्मक रूप से बुद्धिमान व्यक्ति में परिलक्षित होती हैं।

■ भावनात्मक रूप से बुद्धिमान व्यक्ति के गुण (Attributes) →

(1.) पहला & सबसे महत्त्वपूर्ण गुण → आत्म जागरूकता है।

भावनात्मक रूप से बुद्धिमान व्यक्ति हमेशा अपने आस पास की भावनाओं को समझता और ऐसी भावनाओं से प्रभावित / अभिभूत होने से बचता।

उदा० → IPS छाया शर्मा ने निर्भया केस को लेकर पनप

• एक अंय पहलू → परिवर्तन के प्रति खुलापन & बदलती परिस्थितियों के प्रति अनुकूलनशीलता। उदा.- (MG) - राष्ट्रीय आंदोलन

(2) दूसरी विशेषता = भावनाओं का प्रबंधन। (विशेष रूप से दबाव और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के प्रदर्शन को रोकना)

(उदा.) → चाणक्य ने धनानंद पर क्रोधित होने के बावजूद अपनी भावनात्मक उथल पुथल को नियंत्रित किया, एक योजना तैयार की & भारत का पहला साम्राज्य स्थापित किया।

Extra knowledge • प्रभावी भावनात्मक प्रबंधन का एक पहलू दूसरों के क्रोध से वैयक्तिकरण को हटाना है। यह व्यक्तियों को नैतिक दुविधा में निष्पक्ष & उद्देश्यपूर्ण निर्णय लेने की अनुमति देता।

(उदा.) → अजीत डोभाल ने दिल्ली दंगों के दौरान पीड़ितों के गुस्से को प्रभावित किए बिना स्थिति समाधान किया।

(3) तीसरा गुण - स्वयं को प्रेरित करना & प्रेरणा की एक आंतरिक प्रणाली बनाना। (उदा.-) M.S. धोनी की आंतरिक प्रेरणा ने उन्हें कठिन परिस्थितियों / तनाव में भी मजबूत बनाए रखा & सफलता।

• आंतरिक प्रेरणा का एक अंय पहलू समावेशी होना & दूसरों को अपने दृष्टिकोण में शामिल करना।

(उदा.) → स्वच्छता & सफाई के प्रति PM मोदी की अपील में राष्ट्रीय अपील शामिल की।

(4) चौथा गुण = संबंधों को समानुभूतिपूर्ण & करुणामय तरीके से निभाना

(उदा.) → IAS अविनाश शरण ने आदिवासियों हेतु स्वास्थ्य कमी & खराब पहुँच के दर्द समझने के बाद स्वास्थ्य देखभाल तक बेहतर पहुँच दिलाई।

(5) पाँचवा गुण = बेहतर रिश्तों के माध्यम से संघर्षों का कुशल प्रबंधन या सामा. दक्षता है।

(उदा.) → IAS अजीत डोभाल को उत्कृष्ट वार्ताकार & संघर्ष प्रबंधन कौशल हेतु जाना जाता।

Week 2 / Day 2

Next IAS ID: AIM25H01019, ETHICS W3D3 (H), 10-10-2024 05:57 PM

2. सार्वजनिक सेवा में मूल्यों के टकराव के बारे में आप क्या समझते हैं और वे क्यों उत्पन्न होते हैं? सार्वजनिक सेवा मूल्यों से संबंधित कुछ संघर्षों पर प्रकाश डालिए और उन्हें उपयुक्त उदाहरणों के साथ समझाइए।

What do you understand about the conflict of values in public service and why do they occur? Highlight some conflicts in public service values and explain them with suitable examples.

सार्वजनिक सेवा में मूल्यों का टकराव → नैतिक दुविधा

लोकसेवाओं में मूल्यों का टकराव या संघर्ष उन स्थितियों को संदर्भित करता है जहाँ विभिन्न सिद्धांत, विश्वास या नैतिक मानक एक-दूसरे के विरोध में होते हैं। जिसके कारण ऐसा निर्णय लेना या ऐसे कार्यों को करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है, जो इसमें शामिल सभी मूल्यों को पूरा करते हैं।

उदा - अधीनस्थ कर्मचारी द्वारा घूस लेते हुए पकड़े जाने पर, जबकि आपको पता है कि कार्यवाही से नौकरी जाएगी एवं बच्चों की शिक्षा दांव पर होगी - करुणा एवं कर्तव्यनिष्ठा मूल्य में टकराव।

सार्वजनिक सेवा में मूल्यों के टकराव के कारण

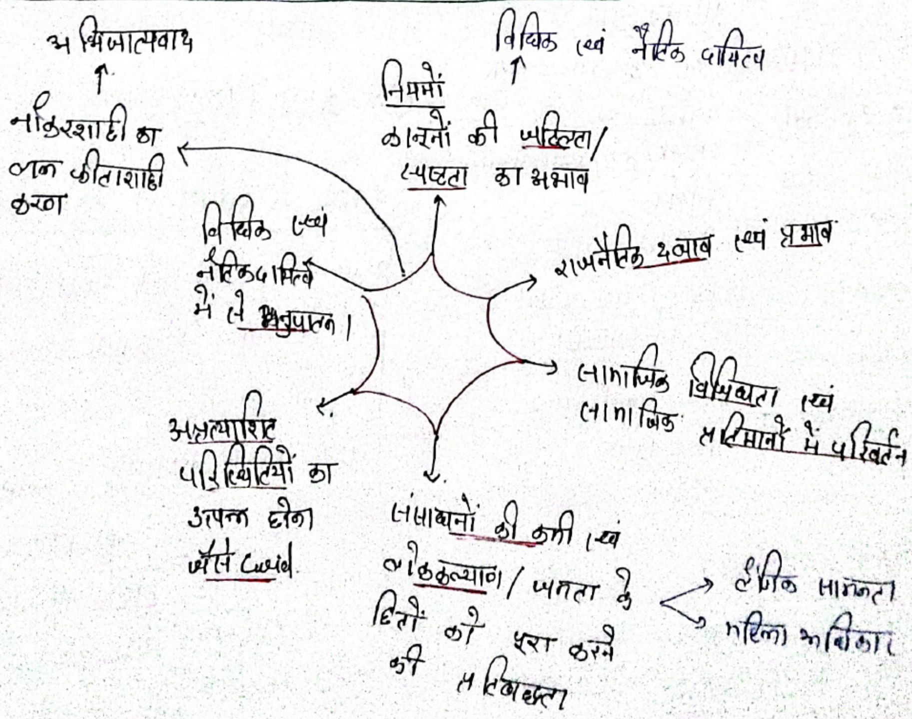

सार्वजनिक मूल्यों से संबंधित कुछ टकराव

- **पर्यावरण संरक्षण बनाम आर्थिक विकास**
  - उदा.- अमेजन वर्षा वन को पर्यावरण संरक्षण व आर्थिक विकास का सामना।
  - कोंकण रेलवे बनाम पश्चिमी घाट की जैव विविधता की रक्षा।
- **पारदर्शिता बनाम राष्ट्रीय सुरक्षा**
  - उदा.- "हैकिंग" निगरानी कार्यक्रमों की हैकिंग करना IT Act 2008 के तहत पेगासस 'स्नूप गेट' के संदर्भ में एक राजनीतिक विवाद, विशेष रूप से सुरक्षा खतरों के बाद, राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ पारदर्शिता को संतुलित।
- **निजता बनाम सार्वजनिक स्वास्थ्य**
  - उदा. Covid-19 के दौरान गोपनीयता संबंधी अधिकारों और सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों के बीच संघर्ष हुआ, आरोग्य सेतु एप निगरानी
  - डाटा की गोपनीयता की चिंता
- **योग्यता बनाम सकारात्मक कार्यवाही**
  - उदा.- आरक्षण व्यवस्था के संदर्भ में।
- **जवाबदेहिता बनाम राजनीतिक दबाव**
  - उदा.- विजय माल्या घोटाला या कोलगेट घोटाले जैसे भ्रष्टाचार घोटालों के उदा जिनमें सरकारी अधि. की भी संलिप्तता थी।
- **निजता बनाम प्रभावी सेवा वितरण** - उदा.- आधार कार्ड का डेटा लीक, परंतु उचित लाभार्थी तक सेवा की पहुंच
- **नौकरशाही बनाम नागरिक ~~राजनीतिक~~ सशक्तिकरण** उदा.- प्रगति प्लेटफॉर्म जैसी डिजिटल शासन प्रणालियों के कार्यान्वयन से नौकरशाही दक्षता में सुधार होता है, लेकिन ~~राजनीतिक~~ नागरिक सशक्तीकरण व सरकार संबंधी चिंताएं बढ़ सकती है।

8. आप एक जिला कलेक्टर हैं जो दो समुदायों, समुदाय A और समुदाय B के बीच भूमि विवादों के इतिहास वाले क्षेत्र की देखरेख कर रहे हैं। समुदाय A पारंपरिक रूप से इस क्षेत्र में रहता है, लेकिन कुछ दशक पहले, एक सरकारी विकास परियोजना के कारण समुदाय B के कुछ सदस्यों को इस क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया गया था। भूमि का एक बड़ा हिस्सा, जो वर्तमान में अप्रयुक्त और सरकारी स्वामित्व में है, अचानक दोनों समुदायों द्वारा दावा किया जाता है। समुदाय A का दावा है कि भूमि ऐतिहासिक रूप से उनकी है, जबकि समुदाय B का तर्क है कि वे कई दशकों से इस क्षेत्र में रह रहे हैं और भूमि पर खेती कर रहे हैं। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों समुदाय विरोध प्रदर्शन करने लगे और स्वामित्व की माँग करने लगे। स्थिति तब और जटिल हो जाती है जब आपको पता चलता है कि एक शक्तिशाली राजनेता का इस भूमि में निहित स्वार्थ है और वह आप पर समुदाय B के पक्ष में निर्णय करने का दबाव डाल रहा है। जिला कलेक्टर के रूप में, आपको भूमि के वास्तविक स्वामित्व पर निर्णय लेना है। आपको समुदाय A के ऐतिहासिक दावों, समुदाय B द्वारा दीर्घकालिक निवास और खेती, व समुदाय B का समर्थन करने वाले राजनेता के प्रभाव का आकलन करना है।

आप इस जटिल भूमि विवाद को निष्पक्ष और नैतिक रूप से कैसे हल करेंगे?

You are a District Collector overseeing a region with a history of land disputes between two communities , Community A and Community B . Community A has traditionally lived in this area, but a few decades ago, some members of Community B were relocated to the region due to a government development project. A large tract of land, currently unused and government-owned, is suddenly claimed by both communities. Community A asserts that the land historically belongs to them, while Community B argues that they have been living in the area for several decades and have been cultivating the land. The dispute escalates, with both communities holding protests and demanding ownership. The situation becomes further complicated when you discover that a powerful politician has a vested interest in the land and is pressuring you to rule in favor of Community B. As the District Collector, you must decide on the rightful ownership of the land. You must weigh the historical claims of Community A, the long-term residency and cultivation by Community B, and the influence of the politician who supports Community B.

How do you proceed to resolve this complex land dispute fairly and ethically?

वर्तमान में बढ़ते भूमि विवाद एवं जनजातीय समुदायों की भूमि का अधिग्रहण व विस्थापन की समस्या को उजागर करता है

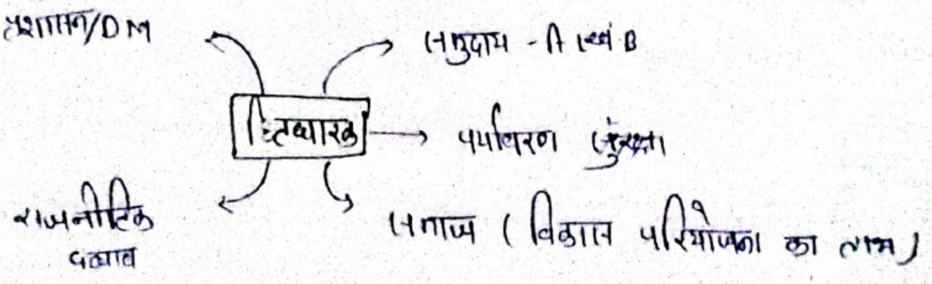

Next IAS ID: AIM25H01019, ETHICS W3D3 (H), 10-10-2024 05:57 PM

नैतिक दुविधायें

- राजनैतिक दबाव बनाम निष्पक्ष वैध मामले की सुनवाई
- सरकारी स्वामित्व बनाम आजीविका (खेती करते हैं)
- परंपरागत अधिकार बनाम विस्थापन
- विकास बनाम विस्थापन / परंपरागत अधिकारों की अवहेलना
- समुदाय A की पारंपरिक ऐतिहासिकता बनाम समुदाय B का दीर्घकालिक रूप से निवास

भूमि विवाद को निष्पक्ष एवं नैतिक रूप से हल करना:

(1) संवाद एवं चर्चा

- चूंकि दोनों समुदाय विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसलिए मैं सबसे पहले दोनों समुदायों से उनकी अपील एवं मामले का समग्र अवलोकन कर. विरोध प्रदर्शन को शांत कर कानून - व्यवस्था बनाये रखूंगा।

(2) नियमवादी दृष्टिकोण

- सर्वप्रथम यह देखूंगा कि दोनों समुदायों के पास स्वामित्व संबंधी कोई ऐतिहासिक साक्ष्य अथवा सरकारी आदेश या नियम, जो इन संबद्ध समुदायों के अधिकारों की पुष्टि करता हो। इससे नैतिक दुविधा हल होगी।
- अभिलेखीय दस्तावेज, मौखिक गवाही।

Next IAS ID: AIM25H01019, ETHICS W3D3 (H), 10-10-2024 05:57 PM

(3) परिणामवादी एवं उपयोगितावादी दृष्टिकोण

- चूँकि भूमि सरकारी स्वामित्व में है, परंतु समुदाय B के आश्रय व आजीविका की पूर्ति करती है।
- यद्यपि A की ऐतिहासिकता का दावा है इसलिए देखना पड़ेगा कि A समुदाय 'A' के अधिकार बिना इस भूमि के कितने प्रभावित होंगे।
- अतः दोनों समुदायों के मध्य बातचीत कर यह प्रयास करूँगा कि समुदाय B के पास आश्रय व आजीविका हेतु भूमि रहे, परंतु समुदाय A के परंपरागत अधिकारों का सम्मान करते हुए भूमि का एक भाग भी उन्हें उपलब्ध कराने की कोशिश करूँगा, इससे आजीविका का अधिकार व परंपरागत अधिकार दोनों की सुरक्षा होगी।

- समझौते कि किसी प्रकार की न होने की स्थिति में समुदाय B हेतु पुनर्वास की योजना बनाऊँगा।

(4) वस्तुनिष्ठता व निष्पक्षता पूर्ण निर्णय

- चूँकि एक शक्तिशाली राजनेता समुदाय B के पक्ष में निर्णय का दबाव बना रहा है यदि ऐसा किया जाता है तो न केवल समुदाय A में प्रशासन में अविश्वास की भावना उत्पन्न होगी बल्कि विरोध उग्र हो सकता है।
- इसलिए मैं निष्पक्ष व तथ्यों व तर्कों और साक्ष्य

Next IAS ID: AIM25H01019, ETHICS W3D3 (H), 10-10-2024 05:57 PM

की संस्कृति के माध्यम से दोनों समुदायों के हितों को ध्यान में रखते हुए निष्पक्ष निर्णय लूँगा।

(5) दीर्घकालिक समाधान

- दोनों समुदायों के मेल-मिलाप की संस्कृति का विकास करने हेतु प्रयास करूंगा जैसे - 15 Aug एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता : सरकार से संसाधनों का आवंटन एवं विकास की योजना बनाने हेतु प्रस्ताव भेजकर आश्रय व आजीविका की सुरक्षा और अंत में शिक्षा के माध्यम से कौशल विकास के प्रयास करूंगा।